उत्तर प्रदेश और ऑस्ट्रिया के बीच निवेश, सेमीकंडक्टर, रक्षा और स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र में सहयोग की नई संभावनाओं पर चर्चा

ऑस्ट्रियाई प्रतिनिधिमंडल ने प्रदेश में औद्योगिक निवेश, तकनीकी साझेदारी और विनिर्माण के अवसरों में दिखाई रुचि

लखनऊ/नई दिल्ली, 18 नवंबर 2026: उत्तर प्रदेश में निवेश और औद्योगिक सहयोग की संभावनाओं को विस्तार देने के उद्देश्य से इन्वेस्ट यूपी के दिल्ली स्थित एसआईपीओ ने एडवांटेज ऑस्ट्रिया, फेडरेशन ऑफ यूरोपियन बिजनेस इन इंडिया (FEBI) नई दिल्ली के सहयोग से ऑस्ट्रिया–उत्तर प्रदेश निवेश राउंडटेबल का आयोजन किया। बैठक में ऑस्ट्रियाई प्रतिनिधिमंडल ने भाग लिया, जिसका नेतृत्व ऑस्ट्रियाई दूतावास के वाणिज्यिक अनुभाग के वाणिज्यिक परामर्शदाता एवं ट्रेड कमिश्नर श्री हंस-यॉर्ग हॉर्टनागल ने किया। प्रतिनिधिमंडल में सेमिफाई जीएमबीएच, प्लानसी, वर्बंड एजी, डोपेलमायर, एंड्रिट्ज, वॉस्टअल्पाइन, स्ट्रैबैग, बाउर इंडिया और रायफाइजन बैंक सहित कई प्रमुख कंपनियों के प्रतिनिधि शामिल रहे।

राउंडटेबल का उद्देश्य उत्तर प्रदेश को ऑस्ट्रियाई कंपनियों के लिए भारत में एक पसंदीदा निवेश एवं विनिर्माण गंतव्य के रूप में प्रस्तुत करना था। इस दौरान प्रदेश के औद्योगिक इकोसिस्टम, निवेश प्रोत्साहन नीतियों, बुनियादी ढांचे, कनेक्टिविटी और कुशल मानव संसाधन की उपलब्धता पर चर्चा हुई। विनिर्माण, सेमीकंडक्टर, रक्षा, नवीकरणीय ऊर्जा, आधारभूत ढांचे, जल प्रबंधन और शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग की संभावनाओं पर भी विचार-विमर्श किया गया।

सेमीकंडक्टर, रक्षा और उभरती प्रौद्योगिकियों में निवेश के लिए उत्तर प्रदेश में व्यापक अवसर

बैठक को संबोधित करते हुए इन्वेस्ट यूपी की अपर मुख्यकार्यपालक अधिकारी सुश्री ग़ज़ल भारद्वाज ने भारत और ऑस्ट्रिया के बीच दशकों पुराने संबंधों का उल्लेख करते हुए कहा कि दोनों देशों के बीच बढ़ता आर्थिक एवं व्यापारिक सहयोग नई साझेदारियों का मजबूत आधार प्रदान करता है। उन्होंने ऑस्ट्रियाई कंपनियों को उत्तर प्रदेश को केवल एक बड़े उपभोक्ता बाजार के रूप में नहीं, बल्कि एक रणनीतिक विनिर्माण और निवेश केंद्र के रूप में देखने के लिए आमंत्रित किया।

उन्होंने कहा कि 25 करोड़ से अधिक की आबादी, युवा कार्यबल और प्रगतिशील नीतियों के साथ प्रदेश में इलेक्ट्रॉनिक्स, सेमीकंडक्टर, रक्षा विनिर्माण, ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (जीसीसी), नवीकरणीय ऊर्जा और उन्नत प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में निवेश की व्यापक संभावनाएं हैं। प्रदेश की समर्पित जीसीसी नीति तथा यूपी एफडीआई/एफसीआई और फॉर्च्यून-500 निवेश प्रोत्साहन नीति-2023 के तहत उपलब्ध प्रोत्साहन निवेशकों के लिए अतिरिक्त अवसर प्रदान करते हैं।

उन्होंने डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर, विस्तारित एक्सप्रेसवे नेटवर्क, लॉजिस्टिक्स कनेक्टिविटी और जेवर में स्थित नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट की रणनीतिक उपयोगिता पर भी प्रकाश डाला। 75,000 एकड़ से अधिक के औद्योगिक लैंड बैंक के साथ नोएडा, ग्रेटर नोएडा, बुंदेलखंड और पूर्वी उत्तर प्रदेश में विकसित हो रहे औद्योगिक केंद्र बड़े निवेश के लिए अनुकूल अवसर प्रदान करते हैं। उन्होंने निवेशकों को भूमि

आवंटन, नीतिगत मार्गदर्शन, स्वीकृतियों और विभागीय समन्वय सहित इन्वेस्ट यूपी के माध्यम से शुरू से अंत तक सहयोग का आश्वासन दिया।

ऑस्ट्रियाई कंपनियों ने सेमीकंडक्टर, रक्षा विनिर्माण और शिक्षा में साझेदारी की जताई रुचि

श्री हंस-यॉर्ग हॉर्टनागल ने इस पहल का स्वागत करते हुए विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग की संभावनाओं को रेखांकित किया। उन्होंने वियना यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी के साथ छात्र विनिमय और शैक्षणिक सहयोग, रक्षा विनिर्माण तथा जल उपचार परियोजनाओं में साझेदारी की संभावनाओं का उल्लेख किया। उन्होंने आगरा में जल उपचार संयंत्र से जुड़े कार्यों का भी जिक्र किया और भविष्य में अधिक ऑस्ट्रियाई व्यापारिक प्रतिनिधिमंडलों को उत्तर प्रदेश लाने की इच्छा व्यक्त की।

चर्चा के दौरान ऑस्ट्रियाई सेमीकंडक्टर कंपनियों ने भारतीय कंपनियों के साथ संयुक्त उपक्रम (ज्वाइंट वेंचर) स्थापित करने में रुचि दिखाई। साथ ही, फेडरेशन ऑफ यूरोपियन बिजनेस इन इंडिया (एफईबीआई) के माध्यम से व्यापारिक सहयोग की संभावनाओं पर भी विचार किया गया।

यह संवाद उत्तर प्रदेश के अंतरराष्ट्रीय निवेश संपर्कों को मजबूत करने, आधुनिक तकनीक के हस्तांतरण, औद्योगिक विविधीकरण और रोजगार सृजन को गति देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इससे प्रदेश को वैश्विक विनिर्माण एवं प्रौद्योगिकी केंद्र के रूप में विकसित करने और एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के लक्ष्य को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी।
